CMYK

Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

वर्ष- 28 अंक- 53 रायपुर, बुधवार 19 मार्च 2025 पृष्ठ-8 मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • बिलासपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

सुनीता विलियम्स ने बनाया नया रिकॉर्ड स्पेस स्टेशन के बाहर 9 बार स्पेसवॉक किया

नई दिल्ली, 19 मार्च (न्यूज चैनल)। नासा की अंतरिक्ष यात्रियों सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर ने 286 दिनों यानी लगभग 9 महीने के अंतरिक्ष अभियाण के बाद धरती पर वापसी की, जबकि मूल रूप से यह मिशन केवल 8 दिनों के लिए निर्धारित था। इस बीच सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की धरती पर वापसी को लेकर अमेरिका प्रेसिडेंट डोनल्ड ट्रंप ने कहा- जो वादा किया उसे निभाया। बता दें कि फ्लोरिडा के तट पर भारतीय समयानुसार सुबह 3.30 बजे स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल ने समुद्र में सफलतापूर्वक लैंडिंग की, जिसने इस ऐतिहासिक अंतरिक्ष मिशन के समापन का सूत्रपात किया। इस असामान्य विस्तार के बावजूद, मिशन ने नासा और स्पेसएक्स के बीच सहयोग की एक नई मिसाल कायम की। अंतरिक्ष में बिताए गए महीनों के दौरान कई महत्वपूर्ण प्रयोग और अवलोकन किए गए, जो भविष्य की अंतरिक्ष यात्राओं और वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए महत्वपूर्ण साबित होंगे। कैमरों ने वह निर्णायक पल कैद किया जब ड्रैगन कैप्सूल ने समंदर में उतरते हुए धरती की ओर कदम बढ़ाया, जिससे अंतरिक्ष यात्रा की इस लंबी और चुनौतीपूर्ण यात्रा का सफल समापन हुआ। नासा के बताया कि सुनीता विलियम्स और उनकी टीम ने 9 महीने में 900 घंटे का शोध पूरा किया। उन्होंने 150 से अधिक प्रयोग किए और उन्होंने अंतरिक्ष में सबसे अधिक समय बिताने वाली महिला का एक नया रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने स्पेस स्टेशन के बाहर 62 घंटे और 9 मिनट बिताए, यानी 9 बार स्पेसवॉक किया। इसके अलावा इस दौरान उन्होंने उन्होंने स्पेस स्टेशन की देखभाल की और साफ सफाई का भी ध्यान रखा।

आपका स्वागत है, क्रू 9! धरती ने आपको मिस किया, अंतरिक्ष से विलियम्स की वापसी पर पीएम मोदी का संदेश

सुनीता विलियम्स की धरती पर सकुशल वापसी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई दी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक संदेश में उन्होंने लिखा, आपका स्वागत है, क्रू 9 ! धरती ने आपको मिस किया। पीएम ने लिखा, उनका यह अनुभव धैर्य, साहस और असीम मानवीय भावना की परीक्षा रहा है। सुनीता विलियम्स और क्रू 9 के अंतरिक्ष यात्रियों ने एक बार फिर हमें दिखाया है कि दृढ़ता का सही अर्थ क्या है। विशाल अनिश्चितता के सामने उनका अटूट दृढ़ संकल्प हमेशा लाखों लोगों को प्रेरित करेगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने क्रू 9 का वापसी अभियान पूरा होने के बाद अपने संदेश में कहा, अंतरिक्ष अन्वेषण का मतलब है मानवीय क्षमता की सीमाओं को आगे बढ़ाना, सपने देखने का साहस करना और उन सपनों को हकीकत में बदलने का साहस करना। पीएम ने सुनीता विलियम्स के बारे में कहा कि वे एक पथप्रदर्शक और एक आइकन हैं। उन्होंने अपने पूरे करियर में इस भावना का उदाहरण दिया है। हम उन सभी पर अविश्वसनीय रूप से गर्व करते हैं जिन्होंने उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए अथक परिश्रम किया। उन्होंने दिखाया है कि जब सटीकता जुनून से मिलती है और तकनीक दृढ़ता से मिलती है तो क्या होता है।

ट्रंप ने कहा -वादा किया, वादा निभाया, क्रू 9 अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी की सराहना की, एलेन मस्क को दिया धन्यवाद

अंतरिक्ष में फंसे हुए नासा के दो अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर सुरक्षित धरती पर वापस आ गए है। इस ऐतिहासिक पल के बाद व्हाइट हाउस ने मंगलवार (स्थानीय समय) को इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने फंसे हुए नासा क्रू-9 अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स, निक हेग, बुच विल्मोर और रूसी अंतरिक्ष यात्री अलेक्जेंडर गोरबुनोव की वापसी को प्राथमिकता दी। व्हाइट हाउस ने कहा कि अंतरिक्ष यात्री अमेरिका की खाड़ी में सुरक्षित लौट आए, तथा उनकी सुरक्षित वापसी का श्रेय एलन मस्क को दिया गया।

विधानसभा में उठा रेडी टू ईट वितरण में अनियमितता का मामला

मंत्री के गड़बड़ी से इंकार करने पर सभापति ने कही जांच की बात

रायपुर, 19 मार्च (हाईवे चैनल)। विधानसभा में बुधवार को ध्यानाकर्षण में रेडी टू ईट वितरण में अनियमितता का मामला उठा. विधायक बालेश्वर साहू ने जांजगीर-चांपा क्षेत्र में लम्बे समय से रेडी टू ईट का वितरण नहीं होने की बात कही. इस पर मंत्री के इंकार करने पर सभापति ने अधिकारियों को जांच करने के निर्देश देने की बात कही. मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सदन में जांजगीर-चांपा में रेडी टू ईट का वितरण नहीं होने की बात पर कहा कि यह कहना गलत है कि बीज निगम से रेडी टू ईट वितरण नहीं किया जा रहा, सभी जगह आपूर्ति हो रही है. कहीं कोई गड़बडी नहीं है. इस पर समाचार का हवाला देते हुए विधायक ने कहा कि 15 से 30 तारीख तक भंडारण करना होता है, लेकिन मार्च में नहीं हुआ. इस पर सभापति डॉ. रमन सिंह ने निर्देश दिए कि हर मंगलवार को वितरण हो. यदि खामियां हैं

छात्रावासों में मौत का मामले में मंत्री के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष का ने किया वॉकआउट

बस्तर जिले में संचालित सरकारी आश्रम, छात्रावासों में लगातार हो रहे बच्चों की मौत का मामला आज सदन में जोर शोर से गूंजा। विपक्ष ने पिछले 3 साल में यहां होने वाली मौतों की जानकारी छिपाने का आरोप सरकार पर लगाया। विभाग की ओर से मिले जवाब से असंतुष्ट होकर कांग्रेस विधायकों ने सदन की कार्यवाही से वॉकआउट कर दिया।

छत्तीसगढ़ विधानसभा में आज प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक बघेल लखेश्वर ने बस्तर संभाग के आश्रम, छात्रावासों में विगत तीन साल में हुई मौतों और इसके लिए दोषीयों पर हुई कार्रवाई की जानकारी मांगी। आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम की अनुपस्थिति में उनके भारसाधक मंत्री केदार कश्यप ने बताया कि वर्ष 2022 से 2025 की अवधि में इन आश्रम, छात्रावासों में कुल 25 मौतें हुई हैं। मंत्री पर गलत जवाब देने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस विधायक ने बताया कि इस अवधि में यहां 40 मौतें हुई हैं, अधिकारी जान बूझकर वास्तविक आंकड़ा छिपा रहे हैं ऐसे अधिकारी पर सरकार क्या कार्रवाई करेगी। भारसाधक मंत्री केदार कश्यप इसका संतोषप्रद जवाब नहीं दे पाए। इससे नाराज होकर कांग्रेस विधायकों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सदन से बहिर्गमन कर दिया।

बैगा आदिवासी क्षेत्र में नलकूप खनन में धांधली पर जांच का आश्वासन

छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र के दौरान आज प्रश्नकाल में बैगा आदिवासी क्षेत्र में नककूप खनन में धांधली का मामला उठा. विधायक भावना बोहरा ने मामले की मांग पर मंत्री केदार कश्यप ने जानकारी उपलब्ध कराने पर जांच कराने का आश्वासन दिया

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने प्रश्नकाल में कहा कि आदिवासी बैगा क्षेत्र में पानी दिए जाने के लिए वह नलकूप खनन की जानकारी जो मांगी गई थी, वह बदली हुई है. जानकारी के मुताबिक, इसमें साल बदल दिया गया है? इस पर मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि जो प्रश्न अपने लगाया है, उसकी जानकारी दी गई है. नलकूप खनन या नल लगाए जाने का कोई कार्य नहीं किया गया है, और यही जानकारी दी गई है. इस पर सभापति ने कहा कि इसकी अवधि मंत्रालय से ही कम की गई है.

ब्रेकिंग न्यूज

राजद दफ्तर में लालू यादव से पूछताछ, लैंड फॉर जॉब केस में कर रहे सवालों से सामना

नई दिल्ली, 19 मार्च (न्यूज चैनल)। राष्टीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के पटना स्थित कार्यालय पहुंचे। उन्हें जमीन के बदले नौकरी के मामले में पूछताछ के लिए बुलाया गया था। मंगलवार को 76 वर्षीय नेता को पटना में संघीय जांच एजेंसी के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया था। यादव के साथ उनकी बेटी और राजद नेता मीसा भारती भी ईडी कार्यालय पहुंचीं। इस हाई-प्रोफाइल उपस्थिति ने शहर में राजनीतिक हलचल पैदा कर दी है। सैकड़ों राजद समर्थक ईडी परिसर के बाहर एकत्र हुए हैं। उन्होंने विरोध प्रदर्शन भी किया और अपने नेता के समर्थन में नारे भी लगाए। गौरतलब है कि ईडी ने इससे पहले 20 जनवरी 2024 को लालू यादव का बयान दर्ज किया था। उनके बेटे और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव से भी एजेंसी ने पिछले साल 30 जनवरी को पूछताछ की थी। दोनों ही मामलों ने राजनीतिक बवाल मचा दिया था और अब ईडी के समन को लेकर एक बार फिर से राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। लालू की बेटी मीसा भारती ने कहा कि उनका परिवार जांच में पूरा सहयोग कर रहा है। इस बीच, बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने टिप्पणी की, हर किसी को अपने किए का परिणाम भुगतना ही पड़ता है।

चूहा- सुनती हो, कांग्रेस अब जिला अध्यक्षों को सुपर पावर देने जा रही है।

चुहिया- हां जी, कांग्रेस को तो अभी पावर की जरूरत है।

केंद्रीय जेल पहुंचे कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट, पूर्व मंत्री कवासी लखमा से की मुलाकात

रायपुर, 19 मार्च (हाईवे चैनल)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (ङ्घष्टष्ट) के महासचिव और छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट बुधवार को रायपुर केंद्रीय जेल पहुंचे। यहां उन्होंने जेल में बंद पूर्व मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता कवासी लखमा से मुलाकात की। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत और भिलाई विधायक देवेंद्र यादव भी मौजूद रहे। सचिन पायलट की यह यात्रा छत्तीसगढ़ कांग्रेस की मौजूदा राजनीतिक स्थिति को लेकर महत्वपूर्ण मानी जा रही है। केंद्रीय जेल में कवासी लखमा से मुलाकात के बाद सचिन पायलट प्रदेश कांग्रेस की समीक्षा बैठक में शामिल होंगे। बैठक में आगामी रणनीति और संगठन की मजबूती को लेकर चर्चा होगी। छत्तीसगढ़ में हाल ही में हुए राजनीतिक घटनाक्रमों के मद्देनजर कांग्रेस के शीर्ष नेताओं की सक्रियता बढ़ गई है। सचिन पायलट की इस यात्रा को कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जोश भरने और संगठन को मजबूती देने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

कंटेनर और ईको कार में भिड़ंत, 3 की मौत, 6 घायल

कोमाखान थाना क्षेत्र में हादसा

महासमुंद, 19 मार्च (हाईवे चैनल)। कोमाखान थाना क्षेत्र से गुजरने वाली एन एच 353 पर बीती रात सुअरमाल व टेमरी के बीच कंटेनर और ईको कार की आमने सामने भिडंत हो गयी। इस भीषण हादसे में तीन की मौत एवं छह लोग घायल हो गयी। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच में लिया है वहीं फरार ट्रक चालक की तलाश जारी है। निवासी साहू परिवार शादी में शामिल होकर वापस आ रहा था। कार मे कुल 9 लोग सवार थे । कार सवार जोहन साहू (60) खुशी साहू डेढ वर्ष की मौके पर ही मौत हो गयी। वहीं घायल अवस्था में कार चालक पूनम साहू (39) सहित तीन लोगों को महासमुंद जिला अस्पताल लाया गया जहाँ इलाज के दौरान ईको चालक की मौत हो गयी । वहीं दो घायल बच्चों को रायपुर

कोमाखान टी आई नितेश ठाकुर ने बताया कि सुअरमाल से टेमरी जाने वाले रास्ते पर बीती रात करीब एक बजे के कंटेनर क्रमांक रू॥ 40 ्च 2648 जो बागबाहरा से ओडिशा की ओर जा रहा था उसकी इको कार क्रमांक छ्त 04 क्छ्व 1696 जो टेमरी से बागबाहरा खोपली पडाव आ रही थी की आमने सामने जोरदार भिडंत हो गयी हादसे में कार कर परखच्चे उड गये। इको कार में खोपली पड़ाव रिफर कर दिया गया है चार घायलों का इलाज बागबाहरा चल रहा है । हादसे के बाद कंटेनर चालक व सह चालक मौके से फरार हो गये है। बता दें कि मार्च माह में अलग- अलग सडक हादसों अब तक लगभग 15 लोगों की मौत हो चुकी है। और यह सभी हादसे राष्ट्रीय राजमार्ग 53 और 353 पर हुई है। मार्च माह में ही सड़क हादसों में एक से अधिक लोगों की मौत एक साथ हुई है।

नागपुर में कर्फ्यू जारी, हिंसक धार्मिक झड़पों को लेकर 51 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली, 19 मार्च (न्यूज चैनल)। नागपुर में 17 मार्च को हिंसा भड़की थी। हिंसक झड़प के बाद नागपुर के 10 पुलिस थाना क्षेत्रों में लगातार दूसरे दिन भी कर्फ्यू जारी है। गणेशपथ पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की कई धाराओं के साथ-साथ शस्त्र अधिनियम, महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम और सार्वजनिक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम जैसे अन्य कानूनों के तहत एक प्राथमिकी भी दर्ज की गई है।

पुलिस इंस्पेक्टर जितेंद्र बाबूराव गाडगे ने शिकायत दर्ज कराई है और एफआईआर में 51 लोगों के नाम हैं, जिनमें कई नाबालिग भी शामिल हैं। आरोपी मुख्य रूप से नागपुर शहर के हैं, जो जाफर नगर, ताजबाग, मोमिनपुरा और भालादापुरा जैसे इलाकों में रहते हैं। एफआईआर के अनुसार, प्रदर्शन तब हिंसक हो गया जब भीड़ ने पुलिस अधिकारियों पर पत्थर फेंकना और पेट्रोल बम फेंकना शुरू कर दिया। कथित तौर पर पुलिस पर कुल्हाड़ियों और लोहे की छड़ों जैसे घातक हथियारों से हमला किया गया। पुलिस द्वारा बार-बार तितर-बितर होने की चेतावनी के बावजूद भीड़ ने हिंसक कार्रवाई जारी रखी, जिससे पुलिस कर्मियों और नागरिकों दोनों की सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया।卐 एफआईआर के अनुसार नागपुर में हिंसा के दौरान, आरोपियों में से एक ने अंधेरे का फायदा उठाया और ड्यूटी पर मौजूद आरसीपी दस्ते की एक महिला पुलिस अधिकारी की वर्दी और शरीर को छूकर उसके कपड़े उतार दिए। आरोपियों ने कुछ महिला पुलिसकर्मियों के साथ अश्लील इशारे भी किए और बदसलूकी भी की। नागपुर के गणेशपेठ पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर में इसका खुलासा हुआ है।

भारत ने पाकिस्तान को स्पष्ट शब्दों में दिया निर्देश अवैध कब्जे वाले भारतीय क्षेत्र को खाली करो

नई दिल्ली, 19 मार्च (न्यूज चैनल)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर जिस तरह पाकिस्तान के अनधिकृत कब्जे वाले कश्मीर का मुद्दा बार-बार उठा रहे हैं उससे साफ प्रतीत हो रहा है कि भारत अब इस समस्या का हल करना चाहता है। भारत की ओर से पाकिस्तान को अपने ''अवैध'' कब्जे वाले भारतीय क्षेत्र को खाली कर देने का जो फरमान सुनाया गया है वह भी दर्शा रहा है कि वह दिन दूर नहीं जब हम अपना वह हिस्सा वापस पा लेंगे जिस पर पाकिस्तान ने अवैध कब्जा किया हुआ है। वैसे भी मोदी सरकार भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने के लिए जानी जाती है इसलिए पाकिस्तान को भारतीय भूभाग खाली कराने का जो निर्देश दिया गया है उसको कोरी बयानबाजी नहीं बल्कि गंभीर कदम के रूप में देखना चाहिए।

हम आपको बता दें कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पश्चिम द्वारा वैश्विक नियमों को चुनिंदा तरीके से लागू किये जाने पर प्रकाश डालते हुए कहा है कि भारत ने 1948 से जम्मू-कश्मीर के एक हिस्से पर पाकिस्तान के सबसे लंबे समय तक अवैध कब्जे को सहन किया जबकि इस आक्रमण को विवाद बना दिया गया। रायसीना डायलॉग के एक संवाद सत्र में जयशंकर ने मौजूदा विश्व व्यवस्था की खामियों के बारे में बात करते हुए कहा कि संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता से संबंधित मुद्दों पर वैश्विक नियम कभी भी समान रूप से लागू नहीं होते। विदेश मंत्री ने यह टिप्पणी 'थ्रोन्स एंड थॉर्न्स- डिफेंडिंग द इंटीग्रिटी ऑफ नेशन्स' विषय पर आयोजित सत्र में की, जिसमें संयुक्त राष्ट्र की कार्यप्रणाली पर ध्यान केंद्रित किया गया। जयशंकर ने तर्क दिया कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से वैश्विक नियमों के असमान इस्तेमाल के उदाहरण सामने आए हैं। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के एक हिस्से पर पाकिस्तान के अवैध कब्जे का हवाला दिया और कहा कि हमलावर और पीड़ित को एक ही श्रेणी में रखा गया है। उन्होंने कहा, ''द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, किसी देश